Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

Series : HRS/1

कोड नं.
Code No. 4/1/2

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT-II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

[P.T.O.

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 1×5=5

मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरु है, वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है, अर्थात् उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सद्विचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सद्विचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवी बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अन्त नहीं होता, किन्तु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

(i) मानव जाति को महत्व देने में किसका योगदान है?

(क) शारीरिक शक्ति का।

(ख) परिश्रम और उत्साह का।

(ग) विवेक और विचारों का।

(घ) मानव सभ्यता का।

(ii) विचारों की पूँजी में शामिल नहीं है–

(क) उत्साह

(ख) विवेक

(ग) तर्क

(घ) बुद्धि

© www.ncerthelp.com

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(iii) मानव में पाशविक प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं?

(क) हिंसाबुद्धि के कारण।

(ख) असत्य बोलने के कारण।

(ग) कुविचारों के कारण।

(घ) स्वार्थ के कारण।

(iv) 'मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है'।

रचना की दृष्टि से उपर्युक्त वाक्य है–

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) जटिल

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है –

(क) मनुष्य का गुरु

(ख) विवेक शक्ति

(ग) दानवी शक्ति

(घ) पाशविक प्रवृत्ति

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 1×5=5

कार्य का महत्व और उसकी सुन्दरता उसके समय पर संपादित किए जाने पर ही है। अत्यंत सुघड़ता से किया हुआ कार्य भी यदि आवश्यकता के पूर्व न पूरा हो सके तो उसका किया जाना निष्फल ही होगा। चिड़ियों द्वारा खेत चुग लिए जाने पर यदि रखवाला उसकी सुरक्षा की व्यवस्था करे तो सर्वत्र उपहास का पात्र ही बनेगा।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

उसके देर से किए गए उद्यम का कोई मूल्य नहीं होगा। श्रम का गौरव तभी है जब उसका लाभ किसी को मिल सके। इसी कारण यदि बादलों द्वारा बरसाया गया जल कृषक की फसल को फलने-फूलने में मदद नहीं कर सकता तो उसका बरसना व्यर्थ ही है। अवसर का सदुपयोग न करने वाले व्यक्ति को इसी कारण पश्चाताप करना पड़ता है।

(i) जीवन में समय का महत्व क्यों है?

(क) समय काम के लिए प्रेरणा देता है।

(ख) समय की परवाह लोग नहीं करते।

(ग) समय पर किया गया काम सफल होता है।

(घ) समय बड़ा ही बलवान है।

(ii) खेत का रखवाला उपहास का पात्र क्यों बनता है?

(क) खेत में पौधे नहीं उगते।

(ख) समय पर खेत की रखवाली नहीं करता।

(ग) चिड़ियों का इंतजार करता रहता है।

(घ) खेत पर मौजूद नहीं रहता।

(iii) चिड़ियों द्वारा खेत चुग लिए जाने पर <u>यदि रखवाला उसकी सुरक्षा की व्यवस्था करे तो सर्वत्र</u> उपहास का पात्र ही बनेगा। रेखांकित पदबंध का प्रकार होगा-

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया

(घ) क्रियाविशेषण

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(iv) बादल का बरसना व्यर्थ है, यदि –

(क) गर्मी शान्त न हो।

(ख) फसल को लाभ न पहुँचे।

(ग) किसान प्रसन्न न हो।

(घ) नदी-तालाब न भर जाएँ।

(v) गद्यांश का मुख्य भाव क्या है?

(क) बादल का बरसना।

(ख) चिड़ियों द्वारा खेत का चुगना।

(ग) किसान का पछतावा करना।

(घ) समय का सदुपयोग।

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 1×5=5

देशप्रेम के ओ मतवालो, उनको भूल न जाना।
महाप्रलय की अग्नि-साध लेकर जो जग में आए,
विश्व बली शासन के भय जिनके आगे मुरझाए।
चले गए जो शीश चढ़ाकर अर्घ्य लिए प्राणों का,
चलें मज़ारों पर हम उनके आज प्रदीप जलाएँ।
टूट गईं बंधन की कड़ियाँ, स्वतंत्रता की बेला,
लगता है मन आज हमें कितना अवसन्न अकेला।

पंथ चिरंतन बलिदानों का विप्लव ने पहचाना,
देशप्रेम के ओ मतवालो, उनको भूल न जाना।

जीत गए हम, जीता विद्रोही अभिमान हमारा,
प्राणदान विक्षुब्ध तरंगों को मिल गया किनारा।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

उदित हुआ रवि स्वतंत्रता का व्योम उगलता जीवन,
आजादी की आग अमर है, घोषित करता कण-कण,
कलियों के अधरों पर पलते रहे विलासी कायर,
उधर मृत्यु पैरों से बाँधे, रहा जूझता यौवन।
उस शहीद यौवन की सुधि हम क्षण भर को न बिसारें,
उसके पगचिह्नों पर अपने मन के मोती वारें।

(i) कविता में चर्चा की गई है-

(क) देशवासियों की।

(ख) देश प्रेमियों की।

(ग) देश के शहीदों की।

(घ) देश के विद्रोहियों की।

(ii) 'मज़ारों पर हम उनके आज प्रदीप जलाएँ' का आशय है -

(क) उनका गुणगान करना।

(ख) उनको श्रद्धांजलि देना।

(ग) उनकी पूजा करना।

(घ) उनका स्मरण करना।

(iii) 'जीत गए हम' से किसकी ओर संकेत किया गया है?

(क) देश के सैनिकों की ओर।

(ख) देश के नवयुवकों की ओर।

(ग) देश-प्रेम के दीवानों की ओर।

(घ) देश के नेताओं की ओर।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
© www.ncerthelp.com

(iv) 'उधर मृत्यु पैरों से बाँधे, रहा जूझता यौवन' का तात्पर्य है –

(क) युवाजन मृत्यु से डरकर लड़खड़ाते रहे।

(ख) नवयुवक विलासिता के कारण डगमगाते रहे।

(ग) देश प्रेमी नवयुवक निडर होकर मृत्यु से लड़ते रहे।

(घ) अनेक देशवासी निर्भय भाव से आज़ादी के गीत गाते रहे।

(v) कविता का संदेश है कि हम –

(क) सदा सजग होकर स्वतंत्रता की रक्षा करते रहें।

(ख) शहीदों का स्मरण कर उनके पदचिह्नों पर चलते रहें।

(ग) स्वाभिमान की रक्षा के लिए सर्वदा प्रयासशील रहें।

(घ) निष्ठाभाव से कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहें।

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 1×5=5

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत, अभी न होगा मेरा अंत।
हरे-हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर
पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं,
अपने नवजीवन का अमृत सहर्ष सींच दूँगा मैं,
द्वार दिखा दूँगा फिर उनको,
हैं मेरे वे जहाँ अनंत-
अभी न होगा मेरा अंत।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(i) कवि क्यों कहता है, 'अभी न होगा मेरा अंत'?

(क) अधिक जीना चाहता है।

(ख) जीवन के वसंत को भोगना चाहता है।

(ग) रचनाओं से अमर हो जाना चाहता है।

(घ) मीठे सपनों में खो जाना चाहता है।

(ii) जीने की चाह के पीछे कवि का मन्तव्य है कि वह –

(क) नए-नए पादपों की कलियाँ निहारेगा।

(ख) जीवन रूपी वन में वसंत को सजाएगा।

(ग) पौधों को सींचकर फूल खिलाएगा।

(घ) जीवन भर वसंत में लीन रहेगा।

(iii) फूलों से कवि आलस क्यों खींच लेना चाहता है?

(क) उन्हें सुगंधित करने के लिए।

(ख) उन्हें नया जीवन देने के लिए।

(ग) उन्हें सहर्ष भेंट करने के लिए।

(घ) उन्हें अमृत देने के लिए।

(iv) कवि के अनुसार 'कोमल गात' हैं–

(क) डालियाँ

(ख) कलियाँ

(ग) पत्तियाँ

(घ) लताएँ

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(v) सोई कलियों को कवि कैसे जगाना चाहता है?

(क) कोमल हाथों के स्पर्श से।

(ख) नवजीवन का संदेश देकर।

(ग) वसंती हवा के झोंकों से।

(घ) भौंरों के गुनगुनाने से।

खण्ड 'ख'

5. (क) निम्नलिखित में रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए –

(i) उनकी प्रारंभिक शिक्षा इन्दौर में हुई। 1

(ii) इस नश्वर संसार में कोई स्थायी नहीं है। 1

(ख) समास-विग्रह कर समास का नाम लिखिए – 1

वृद्धाश्रम

(ग) समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए – 1

कमल के समान नयन

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए –

(i) हर देशवासी में बलिदान की भावना होनी चाहिए। 1

(ii) मोहन धीरे-धीरे चलता है। 1

(iii) थोड़ा सा दूध दे दीजिए। 1

(ख) सन्धि-विच्छेद कीजिए – 1

देवोपम

7. (क) रचना की दृष्टि से वाक्यों के प्रकार बताइए –

(i) जब उसने अपनी निंदा सुनी तो क्रोध से आग-बबूला हो गया। 1

(ii) मेरे लिए यह उत्साहवर्धक और प्रसन्नतादायक समाचार है। 1

(iii) तुमने वही किया जिसकी मुझे आशा थी। 1

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(ख) सन्धि कीजिए – 1

रुग्णालय

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए –

(i) मैं खाना खा लिया हूँ। 1

(ii) गाँधीजी का देश आभारी है। 1

(iii) कृपया आप मेरे घर पधारने की कृपा कीजिए। 1

(ख) सन्धि-विच्छेद कीजिए – 1

परार्थ

9. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए – 1×4=4

(क) पाँव उखड़ जाना

(ख) मुट्ठी गरम करना

(ग) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(घ) जैसी करनी वैसी भरनी

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

खण्ड 'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 1×5=5

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।
घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(i) अभीष्ट मार्ग से क्या तात्पर्य है?

(क) अपनी इच्छा का मार्ग।

(ख) रुचि, योग्यता के अनुसार मार्ग।

(ग) पूर्वजों द्वारा अपनाया मार्ग।

(घ) दूसरों द्वारा बताया मार्ग।

(ii) विघ्न-बाधा आने पर क्या करना चाहिए ?

(क) ईश्वर का स्मरण करना चाहिए।

(ख) बाधा को दूर करना चाहिए।

(ग) डटकर मुकाबला करना चाहिए।

(घ) सहर्ष खेलना चाहिए।

(iii) कवि के अनुसार सच्चा मानव कौन है?

(क) जो दूसरों पर प्राण न्योछावर करे।

(ख) जो अभीष्ट मार्ग में बढ़ता रहे।

(ग) जो विपत्ति-बाधाओं की चिन्ता न करे।

(घ) जो औरों को तारता हुआ स्वयं तरे।

(iv) समर्थ भाव क्या है?

(क) दूसरों को मारकर स्वयं जीवित रहना।

(ख) दूसरों की निन्दा कर स्वयं की प्रशंसा करना।

(ग) दूसरों को सफलता दिलाकर स्वयं सफलता पाना।

(घ) दूसरों को पछाड़कर स्वयं आगे बढ़ना।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(v) कवि परस्पर मेलजोल बढ़ाने का परामर्श क्यों देता है?

(क) प्रेम से रहने के लिए।

(ख) भेदभाव न बढ़ने देने के लिए।

(ग) एक ही मार्ग से आगे बढ़ने के लिए।

(घ) समर्थ भाव बढ़ाने के लिए।

अथवा

सोहत ओढ़ैं पीत पटु स्याम सलौने गात।
मनौ नीलमणि-सैल पर आतपु पर्यौ प्रभात।।
जपुमाला, छापैं, तिलक सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै बृथा, साँचै राँचै रामु।।

(i) दोहे में किसके सौन्दर्य का चित्रण है –

(क) नीलमणि शैल

(ख) प्रभात की धूप

(ग) राधाजी

(घ) श्रीकृष्ण

(ii) नीलम के पर्वत से श्रीकृष्ण की तुलना क्यों की गई है?

(क) विशालता और महानता के कारण।

(ख) सुबह की धूप पड़ने के कारण।

(ग) रंग और दीप्ति के कारण।

(घ) स्याम सलौने होने के कारण।

© www.ncerthelp.com

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(iii) सुबह की धूप की कल्पना का आधार है–

(क) प्रात:काल का सौन्दर्य।

(ख) पीले दुपट्टे की चमक।

(ग) नीलम के पर्वत का सौन्दर्य।

(घ) श्रीकृष्ण के चेहरे की दमक।

(iv) ईश्वर को वही प्रिय है जो –

(क) तपस्या करता है।

(ख) सत्यनिष्ठ है।

(ग) भक्ति करता है।

(घ) माला जपता है।

(v) 'जपु-माला, छापैं, तिलक' हैं –

(क) हिंदू होने की पहचान।

(ख) धर्म के बाहरी चिह्न।

(ग) निरर्थक लक्षण।

(घ) कच्चे मन का सहारा।

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3+3=6

(क) 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर लिखिए कि कौन से मूल्य शाश्वत हैं? इन मूल्यों की जीवन में उपयोगिता बताइए।

(ख) 'गिरगिट' पाठ में शासन की किन प्रवृत्तियों का उल्लेख किया गया है?

(ग) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में लेखक ने प्रेम और अपनत्व की भावना के अभाव के क्या कारण बताए हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

12. 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है? 5

अथवा

'गिरगिट' कहानी में लेखक ने समाज की किन विसंगतियों की ओर संकेत किया है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कम्पनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की। उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेजों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूट कर भरी है, उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(क) वज़ीर अली कौन था? उसे किसने बनारस पहुँचाया? 2

(ख) वज़ीर अली ने वकील की हत्या क्यों की? 2

(ग) पद से हटाए जाने के बदले में वज़ीर अली को क्या दिया गया? 1

अथवा

अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनन्तकाल जितना विस्तृत था।

© www.ncerthelp.com

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(क) 'खट्टी-मीठी' यादों और 'रंगीन सपनों' का तात्पर्य समझाइए? 2

(ख) हमारे समस्त प्रयास वर्तमान के लिए क्यों होने चाहिए? 2

(ग) चाय पीने के बाद लेखक को किन परिवर्तनों का अनुभव हुआ? 1

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×3=9

(क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री का स्नेहहीन दीपक से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) अपने प्रियतम को प्राप्त करने के लिए जो दीप जलाया गया है, उसकी क्या विशेषताएँ हैं? 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता के आधार पर लिखिए।

(ग) बिहारी के दोहों में लोकव्यवहार और नीतिज्ञान आदि की बातें भी मिलती हैं। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'कर चले हम फिदा' कविता में 'साथियो' सम्बोधन किनके लिए किया गया है और उनसे क्या अपेक्षा की गई है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×2=6

(क) टोपी एक सुविधा-सम्पन्न परिवार से था, फिर भी इफ़्फ़न की हवेली की तरफ उसके खिंचे चले जाने के क्या कारण थे? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई में रुचि क्यों नहीं थी। पढ़ाई को व्यर्थ समझने में उनके क्या तर्क थे? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'टोपी शुक्ला' पाठ में इफ़्फ़न की दादी के स्वभाव की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण टोपी ने दादी बदलने की बात कही?

Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT solutions,
CBSE sample papers, Question papers, Notes for Class 6 to 12
NcertHelp
© www.ncerthelp.com

16. 'सपनों के से दिन' पाठ में पी.टी. साहब द्वारा विद्यार्थियों को अनुशासित करने की युक्तियाँ, वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के अनुसार कहाँ तक उचित हैं? उसमें निहित जीवन-मूल्यों पर अपने तर्कपूर्ण विचार प्रस्तुत कीजिए। 4

खण्ड 'घ'

17. विद्यालय प्राचार्य को एक पत्र लिखकर विद्यालय द्वार पर खोमचे वालों द्वारा बेचे जाने वाले अस्वास्थ्यकर खाद्य वस्तुओं को प्रतिबंधित करने के लिए अनुरोध कीजिए। 5

अथवा

विद्यालय प्रबंधन में छात्रों की सहभागिता हेतु छात्र-प्रतिनिधि को भी सम्मिलित करने के लिए प्राचार्य को पत्र लिखिए।

18. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) उत्तराखण्ड की त्रासदी

- कारण
- जनजीवन की क्षति
- जनसामान्य का सद्भाव

(ख) श्रम का महत्व

- तात्पर्य
- सफलता का सोपान
- भविष्य का निर्माण

(ग) देशाटन

- अर्थ और क्षेत्र
- नए स्थानों की जानकारी
- नए लोगों से मेलजोल

NcertHelp © www.ncerthelp.com
Please Visit www.ncerthelp.com For Video lectures of all subjects Class 9 to 12